

- दाल, रंगीन आलू खिलाकर कागजी खानापूर्ति की जाती है। कुछ स्कूलों में रसोइया रबड़ी-खोया बनाते मिले जिसके संबंध में बताया गया कि, शिक्षक घर ले जाएंगे। स्थितियों में दोषी अपराधियों की भांति तत्काल दंडित होने चाहिए।
- 5-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में रसोइयों एवं प्रबंध समिति के अध्यक्षों के पुत्र-पुत्री स्कूल के छात्र-छात्रा न होने के बावजूद शिक्षकों की मनमानी कृपा से पदासीन होकर शिक्षकों के फर्जीबाड़ा में शामिल हैं, जबकि वास्तविक छात्रों के माता-पिता इन पदासीनताओं से उपेक्षित हैं। तत्काल अंकुश लगना चाहिए।
- 6-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों की प्रबंध समितियों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के निर्वाचन में गंभीर अनियमितताएं मिली हैं जिसमें अध्यक्ष पदों के लिए भोले-भाले लोगों को लालच में फंसाकर प्रधानाध्यापकों ने स्वयं फर्जी लोगों के हस्ताक्षर व अंगूठे छापकर फर्जीबाड़े किए हैं। तत्काल अंकुश लगना चाहिए।
- 7-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक हाजिरी लगाकर विद्यालय शिक्षण कार्य छोड़कर गायब हो जाते हैं एवं कुछ शिक्षक अनुपस्थित शिक्षकों की फर्जी आख्या दर्ज कर देते हैं। अंकुश लगना चाहिए।
- 8- यह कि, जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनेक कक्ष होने एवं अनेक शिक्षक होने के बावजूद अधिकांश विद्यालयों में सभी छात्र-छात्राएँ एक साथ एक ही कक्ष या बरामदे में बैठे या खेलते मिले हैं और शिक्षक-शिक्षकाएँ पढ़ाने के स्थान पर आपस में हास-परिहास करते मिले हैं तथा जनपद के लगभग 90% विद्यालयों में छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला है, जो अति विचारणीय एवं गंभीर तथ्य है। तत्काल सुधार होना चाहिए।
- 9- यह कि, जनपद में कुछ ऐसे भी विद्यालय मिले हैं जहाँ सक्षम व्यक्ति धन-पद के प्रभाव में अपने निवास स्थान के विद्यालय में पदासीन हैं और उ.प्र. कर्मचारी आचरण संहिता एवं शिक्षा मानकों की जबरदस्त उपेक्षा कर दयुशन-कोचिंग व्यापार सहित राजनीतिक दलों में सक्रिय होकर अवैध लाभ कमाने में जुटे हैं। अंकुश लगना चाहिए।
- 10-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में जहाँ छात्र संख्या पर्याप्त एवं शिक्षकों का अभाव है वहाँ बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. कक्षाओं के जाकर शिक्षण कार्य करने में योगदान नहीं देते हैं। तत्काल सुधार जरूरी है।
- 11-यह कि, शैक्षिक सत्र 16-17 में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों के छात्रों को अब तक पुस्तकें एवं ड्रेस न दिया जाने से छात्रों के लिए ड्रेस एवं पुस्तकों की उपयोगिता और औचित्य नहीं रह गया है। नियमित सुधार होना चाहिए।
- 12-यह कि, जिले के प्राइवेट एवं कांवेण्ट स्कूलों में बड़ी आयु के नर्सरी से कक्षा 5 के छात्र बने मिले हैं जिन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में 1 से 8 तक पढ़ने के बावजूद जब उन्हें कोई योग्यता नहीं मिली तो पढ़ने-योग्यता के लिए यहाँ आकर निम्न कक्षाओं में एडमीशन लेना पड़ा और मन लगा कर पढ़ रहे हैं। जबाबदेह तत्काल दंडित होने चाहिए।
- 13-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के अधिकांश छात्रों ने बताया कि यहाँ पढ़ाई न होने के कारण वह प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं, वहीं पढ़ने जाते हैं यदा-कदा यहाँ आकर खाना, ड्रेस, पुस्तकें ले जाते हैं। जब कोई अधिकारी आता है तो हमें प्राइवेट स्कूल से बुला लिया जाता है। जबाबदेह तत्काल बर्खास्त होने चाहिए।
- 14-यह कि, जिले के अधिकांश परिषदीय स्कूलों में रसोइया एवं मिड-डे-मील व्यवस्था पृथक होने के बावजूद एक ही स्थान पर खाना बनता है और आंगनबाड़ी के बच्चे भी यहीं भोजन करते हैं। जबकि पंजीरी ब्लैक होकर मैसं खाती है।
- 15-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनाप-शनाप धन व्यय किया जा रहा है इसके बावजूद ग्रामसभा के सफाईकमी से काम कराया जाता है जिससे गांव में सफाई नहीं हो पाती।
- 16-यह कि, उक्त स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त शिक्षा मानक, शिक्षक तथा शिक्षण व्यवस्थाएँ आदि छात्र-छात्राओं एवं साधारण जन-समाज के लिए वरदान के स्थान पर अभिशाप सिद्ध हो रही हैं। सुधार होना चाहिए।
- 17-यह कि, जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई न होने एवं छात्रों के अज्ञानी बने रहने कारण कोई भी सक्षम व्यक्ति अपने प्रतिपाल्य को किसी भी स्थिति में सरकारी प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है यहाँ कि सरकारी स्कूलों में नौकरी करने वाले रसोइया, प्रेरक, शिक्षक, प्रधानाध्यापक, बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी., डी.सी., ए.बी. एस.ए., बी.एस.ए. सहित सरकारी कर्मचारी-अधिकारी और नेता पदासीनता का वेतन-भत्तों की मोटी रकम लेने के बावजूद अपने प्रतिपाल्यों को इन विद्यालयों पढ़ाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि कोई भी व्यक्ति जानबूझ कर अपने प्रतिपाल्यों का भविष्य नष्ट नहीं करना चाहता है। जो अति विचारणीय तथ्य है। तत्काल सुधार होना चाहिए।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार किया जाना चाहिए तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित मान्यता प्राप्त एडिड-अनएडिड, पब्लिक विद्यालयों में व्याप्त अनियमितताओं पर अंकुश लगाकर छात्र विहीन एवं शिक्षण विहीन परिषदीय-एडिड स्कूल तत्काल बंद होने चाहिए। धार्मिक, भारतीय, अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय नाम से गैर पंजीकृत विद्यालयों पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। शिक्षकों-प्रबंधकतंत्रों के फर्जीबाड़ों, फर्जी छात्र संख्या के आधार पर नियुक्त, शिक्षक-कर्म वेतन, निजी आवास के पास वाले स्कूल में तैनाती, शिक्षामानक व छात्रहित उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगाकर, मानकीय व्यवस्था अनुरूप शैक्षिक जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

आदर सहित।

दिनांक 01-03-2017

भरदीया
(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो
शिवविद्यालय अनुदान आयोग,
बहादुरशाह जफर मार्ग, नई-दिल्ली-110002

ह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

योग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

पर दुर्गा कालोनी, लोकोरोड़, फतेहगढ़, जनपद फर्रुखाबाद

पत्रांक:- 149 / सितम्बर / 2016 / दि. 24.09.2016
सेवा में,

मोबाइल-9389766228, 9455709093

अति आवश्यक-अनुरोध पत्र

उच्च शिक्षा निदेशक,

उत्तर प्रदेश शासन, लखऊ।

विषय:- राजकीय डिग्री कालेज के नेशनल सेमिनार फरवरी-16 में प्रस्तुत पेपर्स का मानकीय प्रकाशन हेतु।
महोदय,

उच्च शिक्षा विभाग उ.प्र. द्वारा फरवरी-2016 में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद जनपद शाहजहाँपुर में कराया गया था जिसमें मैंने अपनी प्रस्तुतीकरण 'विद्या विद्यान और संस्थान' दी थी। सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों के सारांश विद्यालय पत्रिका में प्रकाशित होने के बावजूद सम्बन्धित विस्तृत प्रपत्रों को कालेज शिक्षा समिति के स्थान पर व्यक्ति विशेष की निजी पुस्तक में अमानक रूप से प्रकाशित कर पुस्तक मूल्य रु.600.00 में निर्धारित है, जिसमें सेमिनार विवरण नहीं है।

महोदय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार्स-कान्फ्रेंस तथा प्रस्तुतीकरण के प्रकाशन का मानक है जिसमें सम्बन्धित कालेज-सेमिनार समिति के पदाधिकारियों के नाम-पता सहित कालेज के प्रमुख-प्राचार्य का नाम-पद प्रकाशित होना आवश्यक होता है और इन शैक्षिक जर्नल-पुस्तकों के प्रकाशित पेपर्स के आधार पर व्यक्ति की शैक्षिक पदोन्नति का लाभ निर्धारित होता है। जिनके दुरुपयोग पर प्रतिबंध जरूरी है।

उक्त स्थिति में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार्स-कान्फ्रेंस तथा प्रस्तुतीकरण प्रकाशन के प्रभावित मानकों को सुरक्षा प्रदान किया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतः अनुरोध है कि, राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद की सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों का प्रकाशन निजी पुस्तक से निरस्त कर, कालेज शिक्षा समिति के सम्पादन में पुस्तक को मानक अनुरूप प्रकाशित कराकर सेमिनार में भाग लेने वालों को निशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक-24-09-2016

- संलग्नक:- (1) निजी नाम-पते पर प्रकाशित पुस्तक के कवर की फोटो स्टेट प्रति।
(2) पुस्तक में प्रकाशित सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों की सूची।
(3) व्यक्ति विशेष के द्वारा पुस्तक में लिखी गई टिप्पणी की फोटो स्टेट।

भवदीया

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002

आवश्यक कार्यवाही कर प्रेषक सहित शिक्षाधिकारियों को आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने हेतु प्रेषित।

- ✓ (1) प्राचार्य, राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद, जनपद शाहजहाँपुर।

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

20/08/2016 31.2

26-9-16 27/

उच्च शिक्षा निदेशक

5/11/16

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

हादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

कालोनी, लोकोरोड़, फतेहगढ़, जनपद फर्रुखाबाद

016

मोबाइल-9389766228, 9455709093

अति आवश्यक-अनुरोध पत्र

सेवा में,

उच्च शिक्षा निदेशक,

उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषय:-राजकीय डिग्री कालेज के नेशनल सेमिनार फरवरी-16 में प्रस्तुत पेपर्स का मानकीय प्रकाशन हेतु।

महोदय,

उच्च शिक्षा विभाग उ.प्र. द्वारा फरवरी-2016 में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद जनपद शाहजहाँपुर में कराया गया था जिसमें मैंने अपनी प्रस्तुतीकरण 'विद्या विधान और संस्थान' दी थी। सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों के सारांश विद्यालय पत्रिका में प्रकाशित होने के बावजूद सम्बन्धित विस्तृत प्रपत्रों को कालेज शिक्षा समिति के स्थान पर व्यक्ति विशेष की निजी पुस्तक में अमानक रूप से प्रकाशित कर पुस्तक मूल्य रु.600.00 में निर्धारित है, जिसमें सेमिनार विवरण नहीं है।

महोदय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार्स-कान्फ्रेंस तथा प्रस्तुतीकरण के प्रकाशन का मानक है जिसमें सम्बन्धित कालेज-सेमिनार समिति के पदाधिकारियों के नाम-पता सहित कालेज के प्रमुख-प्राचार्य का नाम-पद प्रकाशित होना आवश्यक होता है और इन शैक्षिक जर्नल-पुस्तकों के प्रकाशित पेपर्स के आधार पर व्यक्ति की शैक्षिक पदोन्नति का लाभ निर्धारित होता है। जिनके दुरुपयोग पर प्रतिबंध जरूरी है।

उक्त स्थिति में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार्स-कान्फ्रेंस तथा प्रस्तुतीकरण प्रकाशन के प्रभावित मानकों को सुरक्षा प्रदान किया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतः अनुरोध है कि, राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद की सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों का प्रकाशन निजी पुस्तक से निरस्त कर, कालेज शिक्षा समिति के सम्पादन में पुस्तक को मानक अनुरूप प्रकाशित कराकर सेमिनार में भाग लेने वालों को निशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

भवदीया

दिनांक-24-09-2016

संलग्नक-(1) निजी नाम-पते पर प्रकाशित पुस्तक के कवर की फोटो स्टेट प्रति।

(2) पुस्तक में प्रकाशित सेमिनार में प्रस्तुत प्रपत्रों की सूची।

(3) व्यक्ति विशेष के द्वारा पुस्तक में लिखी गई टिप्पणी की फोटो स्टेट।

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,

नई-दिल्ली-110002

आवश्यक कार्यवाही कर प्रेषक सहित शिक्षाधिकारियों को आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने हेतु प्रेषित प्रति:

(1) प्राचार्य, राजकीय डिग्री कालेज जलालाबाद, जनपद शाहजहाँपुर।

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी.-एच.डी. (समाजशास्त्र) पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

मान निवास-79/180, अपर दुर्गा कालोनी, लोकोरोड़, फतेहगढ़, जनपद फर्रुखाबाद

दिनांक-147 / सितम्बर / 2016 / दि. 10.09.2016

मोबाइल-9389766228, 9455709093

अति आवश्यकीय-अनुरोध पत्र

आयुक्त,

कानपुर मण्डल, कानपुर।

फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण-जनसम्पर्क के लिए अनुमति हेतु।

मान्यवर,

निवेदन है कि मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा पोस्ट डॉक्टोरल फेलो (असिस्टेंट प्रोफेसर केंडर) पद पर (F25-1/2014-DSRPDFHS-2014-15-GE-UTT-1245/ SA-III/Dated 5-2-2015) नियुक्त हुई हूँ तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली के अन्तर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य का प्रोजेक्ट "दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन" है और कार्यक्षेत्र-फर्रुखाबाद जनपद है।

मान्यवर, मैंने दि. 09-02-2015 को जिलाधिकारी फर्रुखाबाद को कार्य में सहयोग हेतु अनुरोध पत्र दिया था तथा जनसम्पर्क-निरीक्षण की अनुमति हेतु मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य की संस्तुति दि. 24-3-2015 सहित जिलाधिकारी को पत्र दिया था। जिस पर जिलाधिकारी की मौखिक अनुमति के आधार पर मैंने अब तक फर्रुखाबाद जिले के 6 नगर-क्षेत्रों के 117 वार्ड्स तथा 238 ग्रामों के दरिद्रों के घर-घर जाकर उनकी वास्तविक स्थिति का अवलोकन का बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जिले के सभी वर्गों सहित जनता का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर दरिद्रों के कल्याण के लिए बनी योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं फर्जी-दरिद्र शोध-सर्वेक्षण कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी शोध-सर्वेक्षण कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

मान्यवर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई-दिल्ली के अंतर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य में कार्यक्षेत्र फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव में जनपद के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मुझे अनेक गंभीर समस्याओं से बुरी तरह जूझना पड़ रहा है।

मान्यवर, दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित शोध-सर्वे कार्य में लक्ष्य अनुरूप लगभग 30 ग्रामों में जन-सम्पर्क एवं 1000 अनुसूचियां भरे जाने का कार्य अभी शेष है जिसकी पूर्णता हेतु जनसंपर्क द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु जिलाधिकारी की लिखित अनुमति की आवश्यकता है।

उक्त स्थिति में कार्यक्षेत्र के अंतर्गत फर्रुखाबाद जिले के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण से सम्बन्धित शोध-सर्वेक्षण हेतु जिलाधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान किया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतः अनुरोध है कि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा जारी अवार्ड-लेटर दि. 05.2.2015 से सम्बन्धित प्रोजेक्ट-दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण व अनुसूची पूर्णता हेतु फर्रुखाबाद जिले में जन-सम्पर्क एवं दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु लिखित अनुमति प्रदान कराने की कृपा करें।

आदर सहित।

दिनांक-10-09-2016

संलग्नक:- (1) यू.जी.सी. द्वारा जारी अवार्ड लेटर एवं प्वाइनिंग लेटर की फोटो स्टेट प्रति।

(2) मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित संस्तुति की फोटो स्टेट प्रति। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,

(3) प्रोजेक्ट-दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन-जनपद फर्रुखाबाद की फोटो स्टेट प्रति। नई-दिल्ली-110002

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow,
University Grant Commission, Delhi

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

न निवास-79/180, अपर दुर्गा कालोनी, लोकोरोड़, फतेहगढ़, जनपद फर्रुखाबाद

146 / सितम्बर / 2016 / दि. 10.09.2016

मोबाइल-9389766228, 9455709093

अति आवश्यक-अनुरोध पत्र

मुख्य सचिव,

उत्तर प्रदेश शासन, लखऊ।

विषय:-फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण-जनसम्पर्क के लिए अनुमति हेतु।

मान्यवर,

निवेदन है कि मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा पोस्ट डॉक्टोरल फेलो (असिस्टेंट प्रोफेसर केंद्र) पद पर (F25-1/2014-DSRPDFHS-2014-15-GE-UTT-1245/ SA-III/Dated 5-2-2015) नियुक्त हुई हूँ तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली के अन्तर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य का प्रोजेक्ट "दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन" है और कार्यक्षेत्र-फर्रुखाबाद जनपद है।

मान्यवर, मैंने दि. 09-02-2015 को जिलाधिकारी फर्रुखाबाद को कार्य में सहयोग हेतु अनुरोध पत्र दिया था तथा जनसम्पर्क-निरीक्षण की अनुमति हेतु मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य की संस्तुति दि. 24-3-2015 सहित जिलाधिकारी को पत्र दिया था। जिस पर जिलाधिकारी की मौखिक अनुमति के आधार पर मैंने अब तक फर्रुखाबाद जिले के 6 नगर-क्षेत्रों के 117 वार्ड्स तथा 238 ग्रामों के दरिद्रों के घर-घर जाकर उनकी वास्तविक स्थिति का अवलोकन का बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जिले के सभी वर्गों सहित जनता का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर दरिद्रों के कल्याण के लिए बनी योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं फर्जी-दरिद्र शोध-सर्वेक्षण कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी शोध-सर्वेक्षण कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

मान्यवर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई-दिल्ली के अंतर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य में कार्यक्षेत्र फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव में जनपद के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मुझे अनेक गंभीर समस्याओं से बुरी तरह जूझना पड़ रहा है।

मान्यवर, दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित शोध-सर्वे कार्य में लक्ष्य अनुरूप लगभग 30 ग्रामों में जन-सम्पर्क एवं 1000 अनुसूचियां भरे जाने का कार्य अभी शेष है जिसकी पूर्णता हेतु जनसंपर्क द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु जिलाधिकारी की लिखित अनुमति की आवश्यकता है।

उक्त स्थिति में कार्यक्षेत्र के अंतर्गत फर्रुखाबाद जिले के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण से सम्बन्धित शोध-सर्वेक्षण हेतु जिलाधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान किया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतः अनुरोध है कि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा जारी अवार्ड-लेटर दि. 05.2.2015 से सम्बन्धित प्रोजेक्ट-दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण व अनुसूची पूर्णता हेतु फर्रुखाबाद जिले में जन-सम्पर्क एवं दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु लिखित अनुमति प्रदान कराने की कृपा करें।

आदर सहित।

दिनांक-10-09-2016

संलग्नक:- (1) यू.जी.सी. द्वारा जारी अवार्ड लेटर एवं ज्वानिंग लेटर की फोटो स्टेट प्रति।

(2) मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित संस्तुति की फोटो स्टेट प्रति।

(3) प्रोजेक्ट-दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन-जनपद फर्रुखाबाद की फोटो स्टेट प्रति। नई-दिल्ली-110002

डॉ. नीतू सिंह तोमर

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी.-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

वर्तमान निवास-79/180, अपर दुर्गा कालोनी, लोकोरोड, फतेहगढ़, जनपद फर्रुखाबाद

पत्रांक:- 145/सितम्बर/2016/दि.10.09.2016

मोबाइल-9389766228, 9455709093

अति आवश्यक-अनुरोध पत्र

जिलाधिकारी,

जनपद फर्रुखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

विषय:- फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण-जनसम्पर्क के लिए अनुमति हेतु।

मान्यवर,

निवेदन है कि मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा पोस्ट डॉक्टरल फेलो (असिस्टेंट प्रोफेसर केंद्र) पद पर (F25-1/2014-DSRPDFHS-2014-15-GE-UTT-1245/ SA-II/Dated 5-2-2015) नियुक्त हुई हूँ तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली के अंतर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य का प्रोजेक्ट "दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन" है और कार्यक्षेत्र-फर्रुखाबाद जनपद है।

मान्यवर, मैंने दि.09-02-2015 को जिलाधिकारी फर्रुखाबाद को कार्य में सहयोग हेतु अनुरोध पत्र दिया था तथा जनसम्पर्क-निरीक्षण की अनुमति हेतु मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य की संस्तुति दि. 24-3-2015 सहित जिलाधिकारी को पत्र दिया था। जिस पर जिलाधिकारी की मौखिक अनुमति के आधार पर मैंने अब तक फर्रुखाबाद जिले के 6 नगर-क्षेत्रों के 117 वार्डस तथा 238 ग्रामों के दरिद्रों के घर-घर जाकर उनकी वास्तविक स्थिति का अवलोकन का बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जिले के सभी वर्गों सहित जनता का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर दरिद्रों के कल्याण के लिए बनी योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं फर्जी-दरिद्र शोध-सर्वेक्षण कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी शोध-सर्वेक्षण कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

मान्यवर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई-दिल्ली के अंतर्गत मेरे शोध-सर्वेक्षण कार्य में कार्यक्षेत्र फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव में जनपद के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मुझे अनेक गंभीर समस्याओं से बुरी तरह जूझना पड़ रहा है।

मान्यवर, दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित शोध-सर्वे कार्य में लक्ष्य अनुरूप लगभग 30 ग्रामों में जन-सम्पर्क एवं 1000 अनुसूचियां भरे जाने का कार्य अभी शेष है जिसकी पूर्णता हेतु जनसंपर्क द्वारा दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु जिलाधिकारी की लिखित अनुमति की आवश्यकता है।

उक्त स्थिति में कार्यक्षेत्र के अंतर्गत फर्रुखाबाद जिले के दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण से सम्बन्धित शोध-सर्वेक्षण हेतु जिलाधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान किया जाना आवश्यक एवं समीचीन है।

अतः अनुरोध है कि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा जारी अवार्ड-लेटर दि.05.2.2015 से सम्बन्धित प्रोजेक्ट "दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं" के निरीक्षण एवं अनुसूची पूर्ण हेतु फर्रुखाबाद जिले में जन-सम्पर्क एवं दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को निरीक्षण हेतु अनुमति प्रदान करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक-10-09-2016

संलग्नक:- (1) यू.जी.सी. द्वारा जारी अवार्ड लेटर एवं जवाबनिंग लेटर की फोटो स्टेट प्रति।

(2) मनीटरिंग केंद्र के प्राचार्य द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित संस्तुति की फोटो स्टेट प्रति।

(3) प्रोजेक्ट "दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं का अध्ययन-जनपद फर्रुखाबाद" की फोटो स्टेट प्रति। नई-दिल्ली-110002

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

ला. यु. जी. सी. गठन बज्र
३ अक्टूबर २०१६

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र) पोस्ट डॉक्टरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

पत्रांक:- 144 / अगस्त / 2016 / दि. 10.06.2016

मोबाइल-9389766228

सेवा में,

अति आवश्यकीय

मुख्य चिकित्साधिकारी,

जनपद फर्रुखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

विषय:- दरिद्र व्यक्तियों की स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित चिकित्सा केंद्रों पर जनसंपर्क हेतु लिखित अनुमति।
महोदय,

मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की स्वास्थ्य समस्याओं के निरीक्षण में सहयोग एवं जनपद के नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बस्तियों सहित उनसे संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर दरिद्र व्यक्तियों की स्वास्थ्य-व्यवस्था सहित स्वास्थ्य स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जिले में संचालित स्वास्थ्य केंद्रों एवं अस्पतालों के प्रभारियों-चिकित्साधिकारियों-स्टाफ के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए दिनांक 12-3-2015 को अनुरोध पत्र प्रेषित किया। परन्तु अभी तक आप द्वारा लिखित अनुमति-पत्र मुझे प्राप्त नहीं कराया गया है।

महोदय, मैं जनपद फर्रुखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ तथा अब तक फर्रुखाबाद जनपद के 6 नगर-क्षेत्रों के समस्त अन्त्योदय एवं बी.पी.एल. राशनकार्ड धारकों एवं 223 ग्रामसभाओं के अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों एवं विधवा-वृद्धा-विकलांग-समाजवादी पेंशनर्स तथा दरिद्रता संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वालों सहित दरिद्रों के घर-घर जाकर एवं संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों पर दरिद्र व्यक्तियों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन कर दरिद्रों एवं उनके परिजनों से विस्तृत बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जनपद की सभी जातियों एवं वर्गों एवं जनता तथा स्वास्थ्य केंद्रों का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हुआ है वहीं दूसरी ओर दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए बनी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं स्वास्थ्य केंद्रों की ड्यूटी से प्रथक रहकर वार्डव्याय-सफाईकर्म से चिकित्सा कराकर अपनी फर्जी ड्यूटी की कागजी खानापूर्ति करने वाले तथा फर्जी-दरिद्र बौखलाकर मेरे सरकारी कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो मुख्य चिकित्साधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि, फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निरीक्षण एवं स्वास्थ्य केंद्रों-अस्पतालों में संपर्क हेतु लिखित अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें। ताकि दरिद्र व्यक्तियों की स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित अवशेष कार्य को पूर्ण कर निर्धारित समयानुरूप रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकूँ। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक-10-08-2016

संलग्नक:- दि. 12-3-2015 को दिए गए अनुरोध पत्र की फोटो स्टेट प्रति।

भवदीया
(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

पत्रांक-143 / अगस्त / 2016 / दि. 09.08.2016

मोबाइल-9389766228

सेवा में,

अति आवश्यक

जिला विद्यालय निरीक्षक,

जनपद फर्रुखाबाद, ग्वालियर फतेहगढ़।

विषय:- फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के जनसंपर्क-निरीक्षण हेतु लिखित अनुमति। महोदय,

मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंद्र) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के निरीक्षण में सहयोग एवं जनपद के नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बस्तियों सहित उनसे संबंधित प्राथमिक, उच्च-प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों की शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जिले में संघलित उच्चतर एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक-प्रधानाचार्यों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए अनुरोध पत्र प्रेषित किए। परन्तु अभी तक आप द्वारा लिखित अनुमति-पत्र मुझे प्राप्त नहीं कराया गया है।

महोदय, मैं जनपद फर्रुखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ तथा अब तक फर्रुखाबाद जनपद के 6 नगर-क्षेत्रों के समस्त अन्त्योदय एवं बी.पी.एल. राशनकार्ड धारकों एवं 223 ग्रामसभाओं के अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों एवं विधवा-वृद्धा-बिकलांग- समाजवादी पेंशनर्स तथा दरिद्रता संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वालों सहित दरिद्रों के घर-घर जाकर एवं संबंधित विद्यालयों में दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन कर दरिद्रों एवं उनके प्रतिपाल्यों से विस्तृत बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जनपद की सभी जातियों एवं वर्गों एवं जनता तथा स्कूलों का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हुआ है वहीं दूसरी ओर दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए बनी सरकारी शैक्षिक योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं फर्जी-दरिद्र बौखलाकर मेरे सरकारी कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो जिला विद्यालय निरीक्षक की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि, फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के निरीक्षण एवं विद्यालयों में संपर्क हेतु लिखित अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें। ताकि दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं से संबंधित अवशेष कार्य को पूर्ण कर निर्धारित समयानुरूप रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकूँ। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक-09-08-2016

संस्कृत-पत्रांक 12-03-2015 को डिटि।
2 अगस्त 2016 को डिटि।

भवदीया

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002

Dr. NEETU SINGH

Post Doctoral Fellow,
University Grant Commission, Delhi

5.8.16
जिला विद्यालय निरीक्षक
फर्रुखाबाद

डॉ. नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र) पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

पत्रांक:- 142/अगस्त/2016/दि.07.06.2016

मोबाइल-9389766228

सेवा में,

अति आवश्यक

जिलाधिकारी,

जनपद फर्रुखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

विषय:- फर्रुखाबाद जिले के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के जनसंपर्क-निरीक्षण हेतु लिखित अनुमति।

महोदय,

मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ तथा अपने कार्य के प्रारम्भ से पूर्व जिलाधिकारी महोदय को अपने कार्य संबंधी समस्त प्रपत्र-आदेश-संस्तुति उपलब्ध कराकर गत वर्ष से फर्रुखाबाद जनपद के ग्रामीण-नगर क्षेत्रों में अपने पति श्री एन. सिंह सेंगर के साथ जाकर दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके परिवारजनों से बातचीत कर समस्याओं को एकत्रित कर रही हूँ तथा संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। मैंने अब तक फर्रुखाबाद जनपद के 6 नगर-क्षेत्रों के समस्त अन्त्योदय एवं बी.पी. एल. राशनकार्ड धारकों तथा 223 ग्रामसभाओं के अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों एवं विधवा-वृद्धा-विकलांग-समाजवादी पेंशनर्स तथा दरिद्रता संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वालों सहित दरिद्रों के घर-घर जाकर उनकी वास्तविक स्थिति का अवलोकन का बातचीत कर चुकी हूँ। मेरे इस कार्य में जहाँ एक ओर जनपद की सभी जाति एवं वर्गों सहित जनता का पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हो रहा है वहीं दूसरी ओर दरिद्र व्यक्तियों के कल्याण के लिए बनी सरकारी योजनाओं का लाभ हड़पने वाले एवं फर्जी-दरिद्र बौखलाकर मेरे सरकारी कार्य में बाधक बने नजर आए हैं, जो जिलाधिकारी की लिखित अनुमति के अभाव के बहाने किसी भी समय कोई बवाल-घटना को अंजाम देकर यू.जी.सी. के सरकारी कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।

महोदय, जनपद फर्रुखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से सम्बन्धित कार्य में लक्ष्य अनुरूप लगभग 30 ग्रामों में जन-सम्पर्क एवं 1000 अनुसूचियां भरे जाने का कार्य अभी शेष है जिसकी पूर्णता हेतु जनपद भ्रमण-जनसम्पर्क एवं दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु जिलाधिकारी की लिखित अनुमति की आवश्यकता है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों के समस्याओं के निरीक्षण एवं जन-संपर्क हेतु लिखित अनुमति प्रदान करने की कृपा अवश्य करें। ताकि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित अवशेष कार्य को पूर्ण कर निर्धारित समयानुरूप रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकूँ। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांक-09-08-2016

भवदीया
(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,

नई दिल्ली
Dr. NEETU SINGH

Post Doctoral Fellow,
University Grant Commission, Delhi



सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पॉस्ट डॉक्टोरल फेलो
अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002
त/2016/दि.07.06.2016

मोबाइल-9389766228
गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

शिक्षा अधिकारी.

फरुखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

विषय:- बी. एड. फर्लुखाबाद एवं उच्च शिक्षाधिकारियों को प्रेषित पत्रों के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा।

मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जे कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ और गत वर्ष से फर्रुखाबाद जनपद में भ्रमण जन-सम्पर्क कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं को जानने हेतु जनपद के प्राथमिक-उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जनपद में संचालित बेसिक स्कूलों के समस्त शिक्षकों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए आपसे मिलकर तथा डाक से अनेक अनुरोध पत्र प्रेषित किए। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के 'जनक' व कुछ विद्यालयों के शिक्षणकार्य से नदारत रहकर वेतन भुगतान लेने वाले शिक्षकों द्वारा मेरे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न कर हमला-उत्पात की घटनाओं की संभावनाओं पर मेरे द्वारा दिनांक 4.7.2016 को एक पत्र पंजीकृत डाक से जिसकी प्रति स्वहस्तांतरित कर बी.एस.ए. को दिए जाने पर उनके द्वारा आश्वस्त किया गया था कि जनपद के विद्यालयों को पत्र भेजकर आपका सहयोग कराऊंगा। दि.28.7.2006 को राजेपुर के ग्राम भुडिया-भेड़ा के प्र.अ.द्वारा सहयोग की उपेक्षा करने पर आपसे सम्पर्क किया तो आपने पत्र देने व प्र.अ.से बात कराने को कहा तो प्र.अ.को फोन देकर बात हुई।

महोदय, दिनांक 6.8.2016 को पूर्वाह्न 11 बजे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएं जानने हेतु मैं मोहम्मदाबाद के जाजपुर बंजारा गई और गांव के प्रा.पा.के बाहर छात्रों को शोर करते देखा तो मैं स्कूल में गई और शिक्षक बनी बैठी शिल्पी प्रजापति से बातचीत की और छात्रों की समस्याएं पूछी तो छात्रों ने बताया कि उन्हें यही मैडम मात्र पढ़ाने स्कूल आती हैं और खाने में कभी भी रोटी-दूध नहीं दिया जाता तथा रंगीन उबला चावल दिया जाता है तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। निरीक्षण पत्रिका के स्थान पर पत्रव्यवहार पंजिका पर आख्या लिखने को कहा गया, शिल्पी ने प्रमाणपत्र पर हेम लता के हस्ताक्षर-नाम लिखकर मोहर उपलब्ध नहीं है, लिखा। जिसका गांव वालों ने विरोध कर बताया कि उनके प्रतिपाल्यों को पढ़ाने में लगे यादव जाति के सरकारी शिक्षक कभी पढ़ाने नहीं आते हैं। तदुपरांत गांव का भ्रमण-जनसम्पर्क करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय जाजपुर बंजारा पहुंची तो वहाँ छात्र घूमते-खेलते मिले और शिक्षक सीट पर बैठे व्यक्ति ने धर्मवीर पुत्र जय सिंह शाक्य एवं कु.अंजना पुत्री राकेश, निवासी जाजपुर-बंजारा बताया तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। इसी बीच गांव के अनेक लोग आ गए तथा एक व्यक्ति ने अपने नाम बृजेंद्र शाक्य प्र.स.अध्यक्ष बताते हुए सामूहिक रूप में कहा कि यहाँ के शिक्षक कभी स्कूल नहीं आते हैं। यह फर्जी शिक्षकों को कुछ पैसा देकर पढ़ाते हैं तथा वास्तविक शिक्षक रोहिला निवासी यादव इतने दबंग हैं कि बी.एस.ए. तक उनके घर पानी भरते हैं। खानापूर्ति हेतु मुझे शिक्षकों द्वारा बिना चुनाव अध्यक्ष मनोनीति कर लिया गया है। बैठक-प्रस्ताव फर्जी रहती हैं। यह स्थिति जानने पर मैं स्कूल से वापस होकर जन-संपर्क करते हुए ग्राम प्रधान शाक्य के घर पहुंची जहाँ गांव के अनेक गरीब लोग समस्याओं पर चर्चा करने हेतु बैठे, तो समय लगभ 12:30 बजे 10-12 शिक्षकों का हुजूम आया और अपने को इसी गांव के शिक्षक एवं उनके परिजन बताते हुए

गाली-गलौज एवं उत्पात कर धमकाने लगे तथा विजय बहादुर यादव ने अपने को शिक्षक संघ का अध्यक्ष बता कर बुरी तरह से धमकाकर बी.एस.ए.एवं अनुदान आयोग आयोग का अवार्ड लेटर एवं शिल्पी द्वारा हेमलता के हस्ताक्षर वाला गांव के स्कूल का जारी प्रमाणपत्र मांगा जिसे दिखाए जाने पर इन लोगों द्वारा वापस न कर अपने पास रख लिए और कहा कि बी.एस.ए.ने फोन पर कहा है कि मैं डॉ.नीतू सिंह को नहीं जनता और न ही वे मुझसे मिली हैं तो मैंने भी बी.एस.ए.से फोन कर संपर्क किया जिस रिसीव नहीं किया गया तथा यह लोग बी.एस.ए.के पास मुझे चलने हेतु धमकाने लगे तो मैंने कहा कि मैं गांव संबंधी आज की सरकारी ड्यूटी करने के उपरांत बी.एस.ए.से मिल लूंगी परंतु इन्होंने मेरी एक न सुनी और अपने साथ मोटर साइकिल-स्कूटर पर बिठाकर बी.आर.सी.मोहम्मदाबाद ले गए वहाँ बी.आर.सी.एवं ए.बी.एस.ए.मोहम्मदाबाद से बात कराने को मैंने कहा तो बी.आर.सी.पर मौजूद लोगों ने बात नहीं कराई तथा सपा राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी कार में बैठाकर बी.एस.ए.कार्यालय फरुखाबाद के कार्यालय में लाकर बैठाया तो वहाँ अनेक शिक्षक घुस आए और कहा कि जहाँ हम यादवों की पदासीनता वाले स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था देखने की बी.एस.ए.सहित किसी अधिकारी की औकात नहीं है वहाँ तुम्हारी जाने की हिम्मत कैसे हुई आज तुम्हें किसी काम का नहीं छोड़ेंगे तथा अनेक दबंगों ने अपने को पत्रकार बताकर अपने मोबाइल कैमरे से फोटो खींचकर मेरे साथ काफी देर तक अभद्रता रहे। काफी देर बाद बी.एस.ए. अपने कक्ष में आए तो छीने गए पत्रों की जानकारी देकर तथा फर्जी शिक्षकों के काम करने की बात सहित अपनी बात कहनी शुरू की तो शिक्षकों ने बी.एस.ए.के कक्ष में बुरी तरह उपद्रव कर मुझे न बोलने हेतु मजबूर किया एवं बी.एस.ए.के डरे की स्थिति देख मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी, बी.एस.ए.के कहे अनुसार, एक प्रार्थनापत्र मैं लिखने लगी तो शिक्षकों ने बुरी तरह उपद्रव किया जिसके कारण प्रार्थना पत्र लिखने में मुझे बुरी तरह अराजकता-भय का सामना करना पड़ा और प्रार्थना पत्र के शब्दों में कमी रही।

महोदय, जैसा कि सर्व विदित है कि फरुखाबाद जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों जहाँ अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्य पढ़ते हैं, इनमें पढ़ाई न होने से वास्तविक छात्रों की संख्या अत्यंत कम होने, फर्जी पंजीकरण के आधार पर शिक्षकों-अनुदेशकों की संख्या अत्यधिक होने, एक भवन में अनेक विद्यालय संचालित होने, अपने निजी भवन-निवास के निकट स्कूलों में मनमानी पदासीनता तथा शिक्षक ड्यूटी कार्य से पृथक रहने के बावजूद वेतन भुगतान जारी है। जिसका मूल कारण शैक्षिक-सरकारी मानकों की उपेक्षा एवं जनपद के शिक्षाधिकारियों के दायित्व निर्वाहन की उपेक्षा है, जो देश-समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। जिसका तत्काल सुधार एवं वैधानिक दंड है।

महोदय, मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सरकारी ड्यूटी का निर्वाहन करते हुए, फरुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु जनपद का भ्रमण-जनसम्पर्क कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अंतर्गत स्कूलों में पढ़ने वाले दरिद्रों के प्रतिपाल्यों के हितों की उपेक्षा स्कूलों में देखने को मिल रही है जिसके कारण स्कूलों की मानकीय व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन की आवश्यकतानुरूप तथ्य-अवलोकन संग्रह हेतु आप एवं जनपद के शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों की शैक्षिक समस्याओं के संग्रह में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के अवलोकनार्थ एवं तथ्यों के संकलन हेतु जनपद के शिक्षा अधिकारियों को मेरे साथ जिले के स्कूलों में भेजकर यू.जी.सी.के सरकारी कार्य में सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

आदर सहित।

दिनांक-07-08-2016

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित प्रति:-

- 1:- मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, एनेक्सी भवन, लखनऊ।
- 2:- प्रमुख सचिव, शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, एनेक्सी भवन, लखनऊ।
- 3:- संयुक्त शिक्षा निदेशक, कानपुर मंडल, कानपुर-नगर।

भवनीया

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,

नई-दिल्ली-110002

Dr. NEETU SINGH

Post Doctoral Fellow

University Grant Commission, Delhi

भारतीय डाक



India Post

सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो

नुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

मोबाइल-9389766228

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

संयुक्त शिक्षा निदेशक,
बेसिक शिक्षा परिषद,
बेना शावर, केसा, कानपुर।

विषय:- बी.एस.ए.फरूखाबाद एवं उच्च शिक्षाधिकारियों को प्रेषित पत्रों के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा। महोदय,

मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फरूखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ और गत वर्ष से फरूखाबाद जनपद में भ्रमण जन-सम्पर्क कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं को जानने हेतु जनपद के प्राथमिक-उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जनपद में संचालित बेसिक स्कूलों के समस्त शिक्षकों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए संबंधित शिक्षाधिकारियों को अनेक अनुरोध पत्र प्रेषित किए। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के 'जनक' व कुछ विद्यालयों के शिक्षणकार्य से नदारत रहकर वेतन भुगतान लेने वाले शिक्षकों द्वारा मेरे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न कर हमला-उत्पात की घटनाओं की संभावनाओं पर मेरे द्वारा दिनांक 4.7.2016 को एक पत्र पंजीकृत डाक से जिसकी प्रति स्वहस्तांतरित कर बी.एस.ए. को दिए जाने पर उनके द्वारा आश्वस्त किया गया था कि जनपद के विद्यालयों को पत्र भेजकर आपका सहयोग कराऊंगा। दि.28.7.2006 को राजेपुर के ग्राम भुडिया-भेड़ा के प्र.अ.द्वारा सहयोग की उपेक्षा करने पर आपसे सम्पर्क किया तो आपने पत्र देने व प्र.अ.से बात कराने को कहा तो प्र.अ.को फोन देकर बात हुई।

महोदय, दिनांक 6.8.2016 को पूर्वाह्न 11 बजे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएं जानने हेतु मैं मोहम्मदाबाद के जाजपुर बंजारा गई और गांव के प्रा.पा.के बाहर छात्रों को शोर करते देखा तो मैं स्कूल में गई और शिक्षक बनी बैठी कु.शिल्पी प्रजापति से बातचीत की और छात्रों की समस्याएं पूछीं तो छात्रों ने बताया कि उन्हें यही मैडम मात्र पढ़ाने स्कूल आती हैं और खाने में कभी भी रोटी-दूध नहीं दिया जाता, रोज रंगीन उबला चावल दिया जाता है तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। निरीक्षण पत्रिका के स्थान पर पत्रव्यवहार पंजिका पर आख्या लिखने को कहा गया, शिल्पी ने प्रमाणपत्र पर हेम लता के हस्ताक्षर-नाम लिखकर मोहर उपलब्ध नहीं है, लिखा। जिसका गांव वालों ने विरोध कर बताया कि उनके प्रतिपाल्यों को पढ़ाने में लगे यादव जाति के सरकारी शिक्षक कभी पढ़ाने नहीं आते हैं। तदुपरांत गांव का भ्रमण-जनसम्पर्क करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय जाजपुर बंजारा पहुंची तो वहाँ छात्र घूमते-खेलते मिले और शिक्षक सीट पर बैठे व्यक्ति ने धर्मवीर पुत्र जय सिंह शाक्य एवं कु.अंजना पुत्री राकेश, निवासी जाजपुर-बंजारा बताया तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। इसी बीच गांव के अनेक लोग आ गए तथा एक व्यक्ति ने अपने नाम बृजेंद्र शाक्य प्र.स.अध्यक्ष बताते हुए सामूहिक रूप में कहा कि यहाँ के शिक्षक कभी स्कूल नहीं आते हैं। इन फर्जी शिक्षकों को कुछ पैसा देकर पढ़ाया जाता है तथा वास्तविक शिक्षक रोहिला निवासी यादव इतने दबंग हैं कि बी.एस.ए. तक उनके घर पानी भरते हैं। खानापूर्ति हेतु मुझे शिक्षकों द्वारा बिना चुनाव अध्यक्ष मनोनीति कर लिया गया है। बैठक-प्रस्ताव फर्जी बनती हैं। यह स्थिति जानने पर मैं स्कूल से वापस होकर जन-संपर्क करते हुए ग्राम प्रधान शाक्य के घर पहुंची जहाँ गांव के अनेक गरीब लोग समस्याओं पर चर्चा करने हेतु बैठे, तो समय लगभ 12:30

Delivered-10-8-16 at
19:18:24 PM
10/8/16

/2016/दि.07.06.2016

2096010101 (209601)
FLA RU602952836IN
Counter No:1, CP-Code:02
To: JNT DIRECTOR,
KANPUR, PIN:208001

Wt:20grams,
PS:22.00, , 08/08/2016 , 13:08
<<Have a nice day>>

बजे 10-12 शिक्षकों का हुजूम आया और अपने को इसी गांव के शिक्षक एवं उनके परिजन बताते हुए गाली-गलौज एवं उत्पात कर धमकाने लगे तथा विजय बहादुर यादव ने अपने को शिक्षक संघ का अध्यक्ष बता कर बुरी तरह से धमकाकर बी.एस.ए. एवं अनुदान आयोग आयोग का अवार्ड लेटर एवं शिल्पी द्वारा हेमलता के हस्ताक्षर वाला गांव के स्कूल का जारी प्रमाणपत्र मांगा जिसे दिखाए जाने पर इन लोगों द्वारा वापस न कर अपने पास रख लिए और कहा कि बी.एस.ए. ने फोन पर कहा है कि मैं डॉ. नीतू सिंह को नहीं जनता और न ही वे मुझसे मिली हैं तो मैंने भी बी.एस.ए. से फोन कर संपर्क किया जिस रिस्कीव नहीं किया गया तथा यह लोग बी.एस.ए. के पास मुझे चलने हेतु धमकाने लगे तो मैंने कहा कि मैं गांव संबंधी आज की सरकारी ड्यूटी करने के उपरांत बी.एस.ए. से मिल लूंगी परंतु इन्होंने मेरी एक न सुनी और अपने साथ मोटर साइकिल-स्कूटर पर बिठाकर बी.आर.सी. मोहम्मदाबाद ले गए वहाँ बी.आर.सी. एवं ए.बी.एस.ए. मोहम्मदाबाद से बात कराने को मैंने कहा तो बी.आर.सी. पर मौजूद लोगों ने बात नहीं कराई तथा सपा राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी कार में बैठाकर बी.एस.ए. कार्यालय फर्रुखाबाद के कार्यालय में लाकर बैठाया तो वहाँ अनेक शिक्षक घुस आए और कहा कि जहाँ हम यादवों की पदासीनता वाले स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था देखने की बी.एस.ए. सहित किसी अधिकारी की औकात नहीं है वहाँ तुम्हारी जाने की हिम्मत कैसे हुई आज तुम्हें किसी काम का नहीं छोड़ेंगे तथा अनेक दबंगों ने अपने को पत्रकार बताकर अपने मोबाइल कैमरे से फोटो खींचकर मेरे साथ काफी देर तक अभद्रता रहे। काफी देर बाद बी.एस.ए. अपने कक्ष में आए तो छीने गए पत्रों की जानकारी देकर तथा फर्जी शिक्षकों के काम करने की बात सहित अपनी बात कहनी शुरू की तो शिक्षकों ने बी.एस.ए. के कक्ष में बुरी तरह उपद्रव कर मुझे न बोलने हेतु मजबूर किया एवं बी.एस.ए. के डरे की स्थिति देख मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी, बी.एस.ए. के कहे अनुसार, एक प्रार्थनापत्र मैं लिखने लगी तो शिक्षकों ने बुरी तरह उपद्रव किया जिसके कारण प्रार्थना पत्र लिखने में मुझे बुरी तरह अराजकता-भय का सामना करना पड़ा और प्रार्थना पत्र के शब्दों में कमी रही।

महोदय, जैसा कि सर्व विदित है कि फर्रुखाबाद जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों जहाँ अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्य पढ़ते हैं, इनमें पढ़ाई न होने से वास्तविक छात्रों की संख्या अत्यंत कम होने, फर्जी पंजीकरण के आधार पर शिक्षकों-अनुदेशकों की संख्या अत्यधिक होने, एक भवन में अनेक विद्यालय संचालित होने, अपने निजी भवन-निवास के निकट स्कूलों में मनमानी पदासीनता तथा शिक्षक ड्यूटी कार्य से पृथक रहने के बावजूद वेतन भुगतान जारी है। जिसका मूल कारण शैक्षिक-सरकारी मानको की उपेक्षा एवं जनपद के शिक्षाधिकारियों के दायित्व निर्वाहन की उपेक्षा है, जो देश-समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। जिसका तत्काल सुधार एवं वैधानिक दंड है।

महोदय, मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सरकारी ड्यूटी का निर्वाहन करते हुए, फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु जनपद का भ्रमण-जनसम्पर्क कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अंतर्गत स्कूलों में पढ़ने वाले दरिद्रों के प्रतिपाल्यों के हितों की उपेक्षा स्कूलों में देखने को मिल रही है जिसके कारण स्कूलों की मानकीय व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन की आवश्यकतानुरूप तथ्य-अवलोकन संग्रह हेतु आप एवं जनपद के शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों की शैक्षिक समस्याओं के संग्रह में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के अवलोकनार्थ एवं तथ्यों के संकलन हेतु जनपद के शिक्षा अधिकारियों को मेरे साथ जिले के स्कूलों में भेजकर यू.जी.सी. के सरकारी कार्य में सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

आदर सहित।

दिनांक-07-08-2016

भववीया
(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

2096010101 (209601)
B.A. RU602952867IN
Quarter Mail, OP-Code:02
To: RAJESH SACHIV,
LUCKNOW, PIN:226001



सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र) पोस्ट डॉक्टरल फेलो

अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

मोबाइल-9389766228

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

Wts:20grams,
PS:22.00, 08/08/2016, 13:09
<<Have a nice day>>

08/08/2016 / दि.07.06.2016

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश,
एनेक्सी भवन, लखनऊ।

विषय:-बी.एस.ए.फर्रुखाबाद एवं उच्च शिक्षाधिकारियों को प्रेषित पत्रों के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा।
महोदय,

मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ और गत वर्ष से फर्रुखाबाद जनपद में भ्रमण जन-सम्पर्क कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं को जानने हेतु जनपद के प्राथमिक-उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जनपद में संचालित बेसिक स्कूलों के समस्त शिक्षकों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए आपसे मिलकर तथा डाक से अनेक अनुरोध पत्र प्रेषित किए। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के 'जनक' व कुछ विद्यालयों के शिक्षणकार्य से नदारत रहकर वेतन भुगतान लेने वाले शिक्षकों द्वारा मेरे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न कर हमला-उत्पात की घटनाओं की संभावनाओं पर मेरे द्वारा दिनांक 4.7.2016 को एक पत्र पंजीकृत डाक से जिसकी प्रति स्वहस्तांतरित कर बी.एस.ए. को दिए जाने पर उनके द्वारा आश्वस्त किया गया था कि जनपद के विद्यालयों को पत्र भेजकर आपका सहयोग कराऊंगा। दि.28.7.2006 को राजेपुर के ग्राम भुडिया-मेड़ा के प्र.अ.द्वारा सहयोग की उपेक्षा करने पर आपसे सम्पर्क किया तो आपने पत्र देने व प्र.अ.से बात कराने को कहा तो प्र.अ.को फोन देकर बात हुई।

महोदय, दिनांक 6.8.2016 को पूर्वाह्न 11 बजे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएं जानने हेतु मैं मोहम्मदाबाद के जाजपुर बंजारा गई और गांव के प्रा.पा.के बाहर छात्रों को शोर करते देखा तो मैं स्कूल में गई और शिक्षक बनी बैठी शिल्पी प्रजापति से बातचीत की और छात्रों की समस्याएं पूर्ण तो छात्रों ने बताया कि उन्हें यही मैडम मात्र पढ़ाने स्कूल आती हैं और खाने में कभी भी रोटी-दूध नहीं दिया जाता तथा रंगीन उबला चावल दिया जाता है तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। निरीक्षण पत्रिका के स्थान पर पत्रव्यवहार पंजिका पर आख्या लिखने को कहा गया, शिल्पी ने प्रमाणपत्र पर हेम लता के हस्ताक्षर-नाम लिखकर मोहर उपलब्ध नहीं है, लिखा। जिसका गांव वालों ने विरोध कर बताया कि उनके प्रतिपाल्यों को पढ़ाने में लगे यादव जाति के सरकारी शिक्षक कभी पढ़ाने नहीं आते हैं। तदुपरांत गांव का भ्रमण-जनसम्पर्क करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय जाजपुर बंजारा पहुंची तो वहाँ छात्र घूमते-खेलते मिले और शिक्षक सीट पर बैठे व्यक्ति ने धर्मवीर पुत्र जय सिंह शाक्य एवं कु.अंजना पुत्री राकेश, निवासी जाजपुर-बंजारा बताया तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। इसी बीच गांव के अनेक लोग आ गए तथा एक व्यक्ति ने अपने नाम बृजेंद्र शाक्य प्र.स.अध्यक्ष बताते हुए सामूहिक रूप में कहा कि यहाँ के शिक्षक कभी स्कूल नहीं आते हैं। यह फर्जी शिक्षकों को कुछ पैसा देकर पढ़ावाते हैं तथा वास्तविक शिक्षक रोहिला निवासी यादव इतने दबंग हैं कि बी.एस.ए. तक उनके घर पानी भरते हैं। खानापूर्ति हेतु मुझे शिक्षकों द्वारा बिना चुनाव अध्यक्ष मनोनीति कर लिया गया है। बैठक-प्रस्ताव फर्जी रहती हैं। यह स्थिति जानने पर मैं स्कूल से वापस होकर जन-संपर्क करते हुए ग्राम प्रधान शाक्य के घर पहुंची जहाँ गांव के अनेक गरीब लोग समस्याओं पर चर्चा करने हेतु बैठे, तो समय लगभग 12:30

बजे 10-12 शिक्षकों का हुजूम आया और अपने को इसी गांव के शिक्षक एवं उनके परिजन बताते हुए गाली-गलौज एवं उत्पात कर धमकाने लगे तथा विजय बहादुर यादव ने अपने को शिक्षक संघ का अध्यक्ष बता कर बुरी तरह से धमकाकर बी.एस.ए.एवं अनुदान आयोग आयोग का अवार्ड लेटर एवं शिल्पी द्वारा हेमलता के हस्ताक्षर वाला गांव के स्कूल का जारी प्रमाणपत्र मांगा जिसे दिखाए जाने पर इन लोगों द्वारा वापस न कर अपने पास रख लिए और कहा कि बी.एस.ए.ने फोन पर कहा है कि मैं डॉ.नीतू सिंह को नहीं जनता और न ही वे मुझसे मिली हैं तो मैंने भी बी.एस.ए.से फोन कर संपर्क किया जिस रिसीव नहीं किया गया तथा यह लोग बी.एस.ए.के पास मुझे चलने हेतु धमकाने लगे तो मैंने कहा कि मैं गांव संबंधी आज की सरकारी ड्यूटी करने के उपरांत बी.एस.ए.से मिल लूंगी परंतु इन्होंने मेरी एक न सुनी और अपने साथ मोटर साइकिल-स्कूटर पर बिठाकर बी.आर.सी.मोहम्मदाबाद ले गए वहाँ बी.आर.सी.एवं ए.बी.एस.ए.मोहम्मदाबाद से बात कराने को मैंने कहा तो बी.आर.सी.पर मौजूद लोगों ने बात नहीं कराई तथा सपा राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी कार में बैठाकर बी.एस.ए.कार्यालय फर्रुखाबाद के कार्यालय में लाकर बैठाया तो वहाँ अनेक शिक्षक घुस आए और कहा कि जहाँ हम यादवों की पदासीनता वाले स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था देखने की बी.एस.ए.सहित किसी अधिकारी की औकात नहीं है वहाँ तुम्हारी जाने की हिम्मत कैसे हुई आज तुम्हें किसी काम का नहीं छोड़ेंगे तथा अनेक दबंगों ने अपने को पत्रकार बताकर अपने मोबाइल कैमरे से फोटो खींचकर मेरे साथ काफी देर तक अभद्रता रहे। काफी देर बाद बी.एस.ए. अपने कक्ष में आए तो छीने गए पत्रों की जानकारी देकर तथा फर्जी शिक्षकों के काम करने की बात सहित अपनी बात कहनी शुरू की तो शिक्षकों ने बी.एस.ए.के कक्ष में बुरी तरह उपद्रव कर मुझे न बोलने हेतु मजबूर किया एवं बी.एस.ए.के डरे की स्थिति देख मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी.बी.एस.ए.के कहे अनुसार, एक प्रार्थनापत्र मैं लिखने लगी तो शिक्षकों ने बुरी तरह उपद्रव किया जिसके कारण प्रार्थना पत्र लिखने में मुझे बुरी तरह अराजकता-भय का सामना करना पड़ा और प्रार्थना पत्र के शब्दों में कमी रही।

महोदय, जैसा कि सर्व विदित है कि फर्रुखाबाद जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों जहाँ अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्य पढ़ते हैं, इनमें पढ़ाई न होने से वास्तविक छात्रों की संख्या अत्यंत कम होने, फर्जी पंजीकरण के आधार पर शिक्षकों-अनुदेशकों की संख्या अत्यधिक होने, एक भवन में अनेक विद्यालय संचालित होने, अपने निजी भवन-निवास के निकट स्कूलों में मनमानी पदासीनता तथा शिक्षक ड्यूटी कार्य से पृथक रहने के बावजूद वेतन भुगतान जारी है। जिसका मूल कारण शैक्षिक-सरकारी मानकों की उपेक्षा एवं जनपद के शिक्षाधिकारियों के दायित्व निर्वाहन की उपेक्षा है, जो देश-समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। जिसका तत्काल सुधार एवं वैधानिक दंड है।

महोदय, मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सरकारी ड्यूटी का निर्वाहन करते हुए, फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु जनपद का भ्रमण-जनसम्पर्क कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अंतर्गत स्कूलों में पढ़ने वाले दरिद्रों के प्रतिपाल्यों के हितों की उपेक्षा स्कूलों में देखने को मिल रही है जिसके कारण स्कूलों की मानकीय व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन की आवश्यकतानुरूप तथ्य-अवलोकन संग्रह हेतु आप एवं जनपद के शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों की शैक्षिक समस्याओं के संग्रह में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के अवलोकनार्थ एवं तथ्यों के संकलन हेतु जनपद के शिक्षा अधिकारियों को मेरे साथ जिले के स्कूलों में भेजकर यू.जी.सी.के सरकारी कार्य में सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

आदर सहित।

दिनांक-07-08-2016

भवदीया
(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002
Dr. NEETO SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

2096010101 (209601)
RL A: RU5029529221N
Counter No:1, SP-Code:02
To: CHIEF SECRETARY,
LUCKNOW, PIN:226001

भारतीय डाक



India Post

Delivered-11-8-16 at

WL:20grams,

सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

दान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

उत्तर प्रदेश शासन,
ए-वर्गीय भवन, लखनऊ।

विषय:- बी.एस.ए. फर्रुखाबाद एवं उच्च शिक्षाधिकारियों को प्रेषित पत्रों के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा।
महोदय,

मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केंद्र) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ और गत वर्ष से फर्रुखाबाद जनपद में भ्रमण जन-सम्पर्क कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं को जानने हेतु जनपद के प्राथमिक-उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जनपद में संचालित बेसिक स्कूलों के समस्त शिक्षकों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए संबंधित शिक्षाधिकारियों को अनेक अनुरोध पत्र प्रेषित किए। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के 'जनक' व कुछ विद्यालयों के शिक्षणकार्य से नदारत रहकर वेतन भुगतान लेने वाले शिक्षकों द्वारा मेरे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न कर हमला-उत्पात की घटनाओं की संभावनाओं पर मेरे द्वारा दिनांक 4.7.2016 को एक पत्र पंजीकृत डाक से जिसकी प्रति स्वहस्तांतरित कर बी.एस.ए. को दिए जाने पर उनके द्वारा आश्वस्त किया गया था कि जनपद के विद्यालयों को पत्र भेजकर आपका सहयोग कराऊँगा। दि.28.7.2006 को राजेपुर के ग्राम भुडिया-मेड़ा के प्र.अ.द्वारा सहयोग की उपेक्षा करने पर आपसे सम्पर्क किया तो आपने पत्र देने व प्र.अ.से बात कराने को कहा तो प्र.अ.को फोन देकर बात हुई।

महोदय, दिनांक 6.8.2016 को पूर्वाह्न 11 बजे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएं जानने हेतु मैं मोहम्मदाबाद के जाजपुर बंजारा गई और गांव के प्रा.पा.के बाहर छात्रों को शोर करते देखा तो मैं स्कूल में गई और शिक्षक बनी बैठी कुशिलपी प्रजापति से बातचीत की और छात्रों की समस्याएं पूछीं तो छात्रों ने बताया कि उन्हें यही मैडम मात्र पढ़ाने स्कूल आती हैं और खाने में कभी भी रोटी-दूध नहीं दिया जाता, रोज रंगीन उबला चावल दिया जाता है तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। निरीक्षण पत्रिका के स्थान पर पत्रव्यवहार पंजिका पर आख्या लिखने को कहा गया, शिल्पी ने प्रमाणपत्र पर हेम लता के हस्ताक्षर-नाम लिखकर मोहर उपलब्ध नहीं है, लिखा। जिसका गांव वालों ने विरोध कर बताया कि उनके प्रतिपाल्यों को पढ़ाने में लगे यादव जाति के सरकारी शिक्षक कभी पढ़ाने नहीं आते हैं। तदुपरांत गांव का भ्रमण-जनसम्पर्क करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय जाजपुर बंजारा पहुंची तो वहाँ छात्र घूमते-खेलते मिले और शिक्षक सीट पर बैठे व्यक्ति ने धर्मवीर पुत्र जय सिंह शाक्य एवं कु.अंजना पुत्री राकेश, निवासी जाजपुर-बंजारा बताया तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। इसी बीच गांव के अनेक लोग आ गए तथा एक व्यक्ति ने अपने नाम बृजेंद्र शाक्य प्र.स.अध्यक्ष बताते हुए सामूहिक रूप में कहा कि यहाँ के शिक्षक कभी स्कूल नहीं आते हैं। इन फर्जी शिक्षकों को कुछ पैसा देकर पढ़ाया जाता है तथा वास्तविक शिक्षक रोहिला निवासी यादव इतने दबंग हैं कि बी.एस.ए. तक उनके घर पानी भरते हैं। खानापूर्ति हेतु मुझे शिक्षकों द्वारा बिना चुनाव अध्यक्ष मनोनीति कर लिया गया है। बैठक-प्रस्ताव फर्जी बनती हैं। यह स्थिति जानने पर मैं स्कूल से वापस होकर जन-संपर्क करते हुए ग्राम प्रधान शाक्य के घर पहुंची जहाँ गांव के अनेक गरीब लोग समस्याओं पर चर्चा करने हेतु बैठे, तो समय लगभग 12:30

बजे 10-12 शिक्षकों का हुजूम आया और अपने को इसी गांव के शिक्षक एवं उनके परिजन बताते हुए गाली-गलौज एवं उत्पात कर धमकाने लगे तथा विजय बहादुर यादव ने अपने को शिक्षक संघ का अध्यक्ष बता कर बुरी तरह से धमकाकर बी.एस.ए. एवं अनुदान आयोग आयोग का अवार्ड लेटर एवं शिल्पी द्वारा हेमलता के हस्ताक्षर वाला गांव के स्कूल का जारी प्रमाणपत्र मांगा जिसे दिखाए जाने पर इन लोगों द्वारा वापस न कर अपने पास रख लिए और कहा कि बी.एस.ए. ने फोन पर कहा है कि मैं डॉ. नीतू सिंह को नहीं जनता और न ही वे मुझसे मिली हैं तो मैंने भी बी.एस.ए. से फोन कर संपर्क किया जिस रिसीव नहीं किया गया तथा यह लोग बी.एस.ए. के पास मुझे चलने हेतु धमकाने लगे तो मैंने कहा कि मैं गांव संबंधी आज की सरकारी ड्यूटी करने के उपरांत बी.एस.ए. से मिल लूंगी परंतु इन्होंने मेरी एक न सुनी और अपने साथ मोटर साइकिल-स्कूटर पर बिठाकर बी.आर.सी. मोहम्मदाबाद ले गए वहाँ बी.आर.सी. एवं ए.बी.एस.ए. मोहम्मदाबाद से बात कराने को मैंने कहा तो बी.आर.सी. पर मौजूद लोगों ने बात नहीं कराई तथा सपा राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी कार में बैठाकर बी.एस.ए. कार्यालय फर्रुखाबाद के कार्यालय में लाकर बैठाया तो वहाँ अनेक शिक्षक घुस आए और कहा कि जहाँ हम यादवों की पदासीनता वाले स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था देखने की बी.एस.ए. सहित किसी अधिकारी की औकात नहीं है वहाँ तुम्हारी जाने की हिम्मत कैसे हुई आज तुम्हें किसी काम का नहीं छोड़ेंगे तथा अनेक दबंगों ने अपने को पत्रकार बताकर अपने मोबाइल कैमरे से फोटो खींचकर मेरे साथ काफी देर तक अभद्रता रहे। काफी देर बाद बी.एस.ए. अपने कक्ष में आए तो छीने गए पत्रों की जानकारी देकर तथा फर्जी शिक्षकों के काम करने की बात सहित अपनी बात कहनी शुरू की तो शिक्षकों ने बी.एस.ए. के कक्ष में बुरी तरह उपद्रव कर मुझे न बोलने हेतु मजबूर किया एवं बी.एस.ए. के डरे की स्थिति देख मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी, बी.एस.ए. के कहे अनुसार, एक प्रार्थनापत्र मैं लिखने लगी तो शिक्षकों ने बुरी तरह उपद्रव किया जिसके कारण प्रार्थना पत्र लिखने में मुझे बुरी तरह अराजकता-भय का सामना करना पड़ा और प्रार्थना पत्र के शब्दों में कमी रही।

महोदय, जैसा कि सर्व विदित है कि फर्रुखाबाद जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों जहाँ अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्य पढ़ते हैं, इनमें पढ़ाई न होने से वास्तविक छात्रों की संख्या अत्यंत कम होने, फर्जी पंजीकरण के आधार पर शिक्षकों-अनुदेशकों की संख्या अत्यधिक होने, एक भवन में अनेक विद्यालय संचालित होने, अपने निजी भवन-निवास के निकट स्कूलों में मनमानी पदासीनता तथा शिक्षक ड्यूटी कार्य से पृथक रहने के बावजूद वेतन भुगतान जारी है। जिसका मूल कारण शैक्षिक-सरकारी मानकों की उपेक्षा एवं जनपद के शिक्षाधिकारियों के दायित्व निर्वाहन की उपेक्षा है, जो देश-समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। जिसका तत्काल सुधार एवं वैधानिक दिंड है।

महोदय, मैं डॉ. नीतू सिंह तोमर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सरकारी ड्यूटी का निर्वाहन करते हुए, फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु जनपद का भ्रमण-जनसम्पर्क कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अंतर्गत स्कूलों में पढ़ने वाले दरिद्रों के प्रतिपाल्यों के हितों की उपेक्षा स्कूलों में देखने को मिल रही है जिसके कारण स्कूलों की मानकीय व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन की आवश्यकतानुरूप तथ्य-अवलोकन संग्रह हेतु आप एवं जनपद के शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों की शैक्षिक समस्याओं के संग्रह में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के अवलोकनार्थ एवं तथ्यों के संकलन हेतु जनपद के शिक्षा अधिकारियों को मेरे साथ जिले के स्कूलों में भेजकर यू.जी.सी. के सरकारी कार्य में सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

आदर सहित।

भवदीया

दिनांक-07-08-2016

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,

नई-दिल्ली

DR. NEETU SINGH 02

Post Doctoral Fellow.

University Grant Commission, Delhi

2096010101 <209601>

FLA RU602952853TH

Counter No:1, OP-Codes:02

To:RAN NAYIK JI,

LUCKNOW, PIN:226001

भारतीय डाक



India Post

Detained at 11.06.2016
UPG Combs

सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो

दान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

016/दि.07.06.2016

मोबाइल-9389766228

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

राज्यपाल,

उत्तर प्रदेश शासन,

राज निवन, लखनऊ।

विषय-बी.एस.ए.फर्रुखाबाद एवं उच्च शिक्षाधिकारियों को प्रेषित पत्रों के बावजूद सरकारी कार्य में बाधा। महोदय,

मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर, पोस्ट डॉक्टरल फेलो, (असिस्टेंट प्रोफेसर केडर) यू.जी.सी. नई दिल्ली, जो कि फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु कार्यरत हूँ और गत वर्ष से फर्रुखाबाद जनपद में भ्रमण जन-सम्पर्क कर दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं से संबंधित सरकारी कार्य की रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को नियमित रूप से प्रेषित कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं को जानने हेतु जनपद के प्राथमिक-उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षिक-व्यवस्था सहित शैक्षिक स्तर की समस्याओं के अवलोकन कार्य में आप सहित जनपद में संचालित बेसिक स्कूलों के समस्त शिक्षकों के सहयोग की अपेक्षा रखते हुए आपसे मिलकर तथा डाक से अनेक अनुरोध पत्र प्रेषित किए। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के 'जनक' व कुछ विद्यालयों के शिक्षणकार्य से नदारत रहकर वेतन भुगतान लेने वाले शिक्षकों द्वारा मेरे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न कर हमला-उत्पात की घटनाओं की संभावनाओं पर मेरे द्वारा दिनांक 4.7.2016 को एक पत्र पंजीकृत डाक से जिसकी प्रति स्वहस्तांतरित कर बी.एस.ए. को दिए जाने पर उनके द्वारा आश्वस्त किया गया था कि जनपद के विद्यालयों को पत्र भेजकर आपका सहयोग कराऊँगा। दि.28.7.2006 को राजेपुर के ग्राम भुडिया-भेड़ा के प्र.अ.द्वारा सहयोग की अपेक्षा करने पर आपसे सम्पर्क किया तो आपने पत्र देने व प्र.अ.से बात कराने को कहा तो प्र.अ.को फोन देकर बात हुई।

महोदय, दिनांक 6.8.2016 को पूर्वाह्न 11 बजे दरिद्र व्यक्तियों की समस्याएं जानने हेतु मैं मोहम्मदाबाद के जाजपुर बंजारा गई और गांव के प्रा.पा.के बाहर छात्रों को शोर करते देखा तो मैं स्कूल में गई और शिक्षक बनी बैठी शिल्पी प्रजापति से बातचीत की और छात्रों की समस्याएं पूछी तो छात्रों ने बताया कि उन्हें यही मैडम मात्र पढ़ाने स्कूल आती हैं और खाने में कभी भी रोटी-दूध नहीं दिया जाता तथा रंगीन उबला चावल दिया जाता है तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। निरीक्षण पत्रिका के स्थान पर पत्रव्यवहार पंजिका पर आख्या लिखने को कहा गया, शिल्पी ने प्रमाणपत्र पर हेम लता के हस्ताक्षर-नाम लिखकर मोहर उपलब्ध नहीं है, लिखा। जिसका गांव वालों ने विरोध कर बताया कि उनके प्रतिपाल्यों को पढ़ाने में लगे यादव जाति के सरकारी शिक्षक कभी पढ़ाने नहीं आते हैं। तदुपरांत गांव का भ्रमण-जनसम्पर्क करते हुए उच्च प्राथमिक विद्यालय जाजपुर बंजारा पहुंची तो वहाँ छात्र घूमते-खेलते मिले और शिक्षक सीट पर बैठे व्यक्ति ने धर्मवीर पुत्र जय सिंह शाक्य एवं कु.अंजना पुत्री राकेश, निवासी जाजपुर-बंजारा बताया तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न मिला। इसी बीच गांव के अनेक लोग आ गए तथा एक व्यक्ति ने अपने नाम बृजेंद्र शाक्य प्र.स.अध्यक्ष बताते हुए सामूहिक रूप में कहा कि यहाँ के शिक्षक कभी स्कूल नहीं आते हैं। यह फर्जी शिक्षकों को कुछ पैसा देकर पढ़ावाते हैं तथा वास्तविक शिक्षक रोहिला निवासी यादव इतने दबंग हैं कि बी.एस.ए. तक उनके घर पानी भरते हैं। खानापूर्ति हेतु मुझे शिक्षकों द्वारा बिना चुनाव अध्यक्ष मनोनीति कर लिया गया है। बैठक-प्रस्ताव फर्जी रहती हैं। यह स्थिति जानने पर मैं स्कूल से वापस होकर जन-संपर्क करते हुए ग्राम प्रधान शाक्य के घर पहुंची जहाँ गांव के अनेक गरीब लोग समस्याओं पर चर्चा करने हेतु बैठे, तो समय लगभ 12:30

बजे 10-12 शिक्षकों का हुजूम आया और अपने को इसी गांव के शिक्षक एवं उनके परिजन बताते हुए गाली-गलौज एवं उत्पात कर धमकाने लगे तथा विजय बहादुर यादव ने अपने को शिक्षक संघ का अध्यक्ष बता कर बुरी तरह से धमकाकर बी.एस.ए.एवं अनुदान आयोग आयोग का अवार्ड लेटर एवं शिल्पी द्वारा हेमलता के हस्ताक्षर वाला गांव के स्कूल का जारी प्रमाणपत्र मांगा जिसे दिखाए जाने पर इन लोगों द्वारा वापस न कर अपने पास रख लिए और कहा कि बी.एस.ए.ने फोन पर कहा है कि मैं डॉ.नीतू सिंह को नहीं जनता और न ही वे मुझसे मिली हैं तो मैंने भी बी.एस.ए.से फोन कर संपर्क किया जिस रिसीव नहीं किया गया तथा यह लोग बी.एस.ए.के पास मुझे चलने हेतु धमकाने लगे तो मैंने कहा कि मैं गांव संबंधी आज की सरकारी ड्यूटी करने के उपरांत बी.एस.ए.से मिल लूंगी परंतु इन्होंने मेरी एक न सुनी और अपने साथ मोटर साइकिल-स्कूटर पर बिठाकर बी.आर.सी.मोहम्मदाबाद ले गए वहाँ बी.आर.सी.एवं ए.बी.एस.ए.मोहम्मदाबाद से बात कराने को मैंने कहा तो बी.आर.सी.पर मौजूद लोगों ने बात नहीं कराई तथा सपा राजनीतिक पार्टी का झंडा लगी कार में बैठाकर बी.एस.ए.कार्यालय फर्रुखाबाद के कार्यालय में लाकर बैठाया तो वहाँ अनेक शिक्षक घुस आए और कहा कि जहाँ हम यादवों की पदासीनता वाले स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था देखने की बी.एस.ए.सहित किसी अधिकारी की औकात नहीं है वहाँ तुम्हारी जाने की हिम्मत कैसे हुई आज तुम्हें किसी काम का नहीं छोड़ेंगे तथा अनेक दबंगों ने अपने को पत्रकार बताकर अपने मोबाइल कैमरे से फोटो खींचकर मेरे साथ काफी देर तक अभद्रता रहे। काफी देर बाद बी.एस.ए. अपने कक्ष में आए तो छीने गए पत्रों की जानकारी देकर तथा फर्जी शिक्षकों के काम करने की बात सहित अपनी बात कहनी शुरू की तो शिक्षकों ने बी.एस.ए.के कक्ष में बुरी तरह उपद्रव कर मुझे न बोलने हेतु मजबूर किया एवं बी.एस.ए.के डरे की स्थिति देख मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी.बी.एस.ए.के कहे अनुसार, एक प्रार्थनापत्र मैं लिखने लगी तो शिक्षकों ने बुरी तरह उपद्रव किया जिसके कारण प्रार्थना पत्र लिखने में मुझे बुरी तरह अराजकता-भय का सामना करना पड़ा और प्रार्थना पत्र के शब्दों में कमी रही।

महोदय, जैसा कि सर्व विदित है कि फर्रुखाबाद जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों जहाँ अधिकांश दरिद्र व्यक्तियों के प्रतिपाल्य पढ़ते हैं, इनमें पढ़ाई न होने से वास्तविक छात्रों की संख्या अत्यंत कम होने, फर्जी पंजीकरण के आधार पर शिक्षकों-अनुदेशकों की संख्या अत्यधिक होने, एक भवन में अनेक विद्यालय संचालित होने, अपने निजी भवन-निवास के निकट स्कूलों में मनमानी पदासीनता तथा शिक्षक ड्यूटी कार्य से पृथक रहने के बावजूद वेतन भुगतान जारी है। जिसका मूल कारण शैक्षिक-सरकारी मानको की उपेक्षा एवं जनपद के शिक्षाधिकारियों के दायित्व निर्वाहन की उपेक्षा है, जो देश-समाज के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। जिसका तत्काल सुधार एवं वैधानिक दंड है।

महोदय, मैं डॉ.नीतू सिंह तोमर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप सरकारी ड्यूटी का निर्वाहन करते हुए, फर्रुखाबाद जनपद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं को जानने हेतु जनपद का भ्रमण-जनसम्पर्क कर रही हूँ। दरिद्र व्यक्तियों की शैक्षिक समस्याओं के अंतर्गत स्कूलों में पढ़ने वाले दरिद्रों के प्रतिपाल्यों के हितों की उपेक्षा स्कूलों में देखने को मिल रही है जिसके कारण स्कूलों की मानकीय व्यवस्था एवं शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन की आवश्यकतानुरूप तथ्य-अवलोकन संग्रह हेतु आप एवं जनपद के शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, दरिद्र व्यक्तियों एवं उनके प्रतिपाल्यों की शैक्षिक समस्याओं के संग्रह में जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की वास्तविक स्थिति के अवलोकनार्थ एवं तथ्यों के संकलन हेतु जनपद के शिक्षा अधिकारियों को मेरे साथ जिले के स्कूलों में भेजकर यू.जी.सी.के सरकारी कार्य में सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

आदर सहित।

दिनांक-07-08-2016

भवदीया
(डॉ.नीतू सिंह तोमर)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई-दिल्ली-110002

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow,
University Grant Commission, Delhi

2096010101 <209601>

LA RU602943304IN

Counter No:1, CP-Code:02

To: SACHIV,

LUCKNOW, PIN:226001

Wt:20grams,

PS:22.00, 25/07/2016, 12:11

<<Have a nice day>>



सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टरल फेलो

अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-110002

पत्रांक:- 138/जौलाई/2016/दि.25.07.2016

सेवा में,

मोबाइल-9389766228

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सचिव/प्रमुख सचिव,

बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

विषय:- फर्रुखाबाद जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के मानकों की उपेक्षा। महोदय,

जनपद फर्रुखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान जनपद में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में व्यापक रूप से गंभीर अनियमितताएँ मिली हैं जिसके कारण भारतीय शिक्षा के मानकों सहित छात्रों एवं सामान्य जनों का हित बुरी तरह प्रभावित मिला है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित तथ्य एवं सुझाव आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में वास्तविक छात्र संख्या अत्यन्त कम होने के बावजूद अत्यधिक संख्या लिखकर शिक्षकों-अनुदेशकों को बिना कार्य वेतन भुगतान हो रहा है।

2-यह कि, जनपद के नगर क्षेत्र फर्रुखाबाद में संचालित अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के एक ही भवन के कक्षों में कन्या एवं बालकों के अनेक स्कूल संचालित हो रहे हैं इन अधिकांश स्कूलों में वास्तविक छात्र संख्या अत्यंत कम, शिक्षक संख्या अधिक तथा छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यंत निम्न है।

3-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में मिड-डे-मील में घपला अत्यन्त चरम पर है, मील बनते समय छात्र संख्या रसोइयों एवं शिक्षकों को पता नहीं होती है, राशन तौला नहीं जाता है। मील वितरण से पूर्व पंजिका में इंट्री नहीं होती, छुट्टीकाल में फर्जी छात्र संख्या दर्ज की जाती हैं।

3-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विशेष कर नगर क्षेत्र के स्कूलों में देखने को मिला है कि अधिकांश शिक्षक रसोइयों से पकौड़ी एवं गुणवत्तायुक्त भोजन बनवाकर स्वयं स्कूलों में खाते हैं और बड़ी मात्रा में बचा भोजन रसोइया अपने घरों में ले जाती हैं जबकि विद्यालयों के वास्तविक छात्रों को उबले चावल, पतली दाल, रंगीन आलू खिलाकर कागजी खानापूर्ति की जाती है। कुछ स्कूलों में रसोइया रबड़ी-खोया बनाते मिले जिसके संबंध में बताया गया कि, शिक्षक घर ले जाएंगे

4-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में रसोइयों एवं प्रबंध समिति के अध्यक्षों के पुत्र-पुत्री स्कूल के छात्र-छात्रा न होने के बावजूद शिक्षकों की मनमानी कृपा से पदासीन होकर शिक्षकों के फर्जीबाड़ा में शामिल हैं, जबकि वास्तविक छात्रों के माता-पिता इन पदासीनताओं से उपेक्षित हैं।

5-यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों की प्रबंध समितियों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के निर्वाचन में गंभीर अनियमितताएँ मिली हैं जिसमें अध्यक्ष पदों के लिए भोले-भाले लोगों को लालच में फंसाकर प्रधानाध्यापकों ने स्वयं फर्जी लोगों के हस्ताक्षर व अंगूठे छापकर फर्जीबाड़े किए हैं।

6-यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक हाजिरी लगाकर विद्यालय शिक्षण कार्य छोड़कर गायब हो जाते हैं एवं कुछ शिक्षक अनुपस्थित शिक्षकों की फर्जी आख्या दर्ज कर देते हैं।

7-यह कि, जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनेक कक्ष होने एवं अनेक शिक्षक होने के बावजूद अधिकांश विद्यालयों में सभी छात्र-छात्राएँ एक साथ एक ही कक्ष या बरामदे में बैठे या खेलते